दौलत राम महाविद्यालय (हिन्दी विभाग)
एवं
इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल
साइंस रिसर्च, नई दिल्ली
के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार
सामाजिक-आर्थिक विकास
की अवधारणा और
आदिवासी समाज
9-10 मार्च 2016
सेमिनार हॉल, दौलत राम महाविद्यालय,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली - 7
संयोजक :
डॉ. सविता रॉय
(प्राचार्या)
डॉ. अनीता मिंज (9910735362)
डॉ. ज्योति शर्मा (प्रभारी) (9871857959)
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : www.dr.du.ac.in

राष्ट्रीय संगोष्ठी से संबंधित विषय/उपविषय

हिन्दी विभाग, दौलतराम महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
4, पटेल मार्ग, मौरिस नगर, दिल्ली-110007.

Indian Council of Social Science Research

विषय : ''सामाजिक और आर्थिक विकास की अवधारणा : आदिवासी समाज''

पहला दिन - बुधवार - 09 मार्च, 2016 (उद्घाटन)

पहला सत्र

आदिवासी आंदोलन : दशा और दिशा

- आदिवासी आंदोलन की पृष्ठभूमि और परंपरा
- आदिवासी आंदोलन : विस्थापन और पुनर्वास
- जन, जल, जंगल, जमीन का संघर्ष

द्वितीय सत्र

सामाजिक, आर्थिक विकास की अवधारणा : आदिवासी समाज

- भूमंडलीकृत समाज और आदिवासी अस्मिता
- सामाजिक, आर्थिक विषमता से जूझता आदिवासी

दूसरा दिन - बृहस्पतिवार 10 मार्च 2016

तृतीय सत्र

आदिवासी साहित्य में सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण

- आदिवासी काव्य/कहानियों/उपन्यासों में सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण एवं स्त्री-चेतना
- आदिवासी साहित्य (काव्य/कहानियों/उपन्यासों) में सामाजिक-आर्थिक संदर्भ एवं संघर्ष
- आदिवासी लोक-कथाओं/लोकगीतों में सामाजिक सरोकार/आर्थिक स्थिति

चतुर्थ सत्र

मुख्यधारा के मीडिया में आदिवासी समाज

- सिनेमा में चित्रित आदिवासी समाज
- पत्रकारिता जगत में आदिवासी स्वर
- सोशल मीडिया में आदिवासियों की उपस्थिति

पंचम सत्र

आदिवासी अस्मिता : संघर्ष, चुनौतियाँ और संभावनाएँ

- मुख्यधारा से सांस्कृतिक एवं भाषाई संघर्ष
- सांस्कृतिक विलोपन का संकट
- संघर्षरत आदिवासी समाज का भविष्य

➢ आदिवासी लोकनृत्य की प्रस्तुति
➢ मौलिक शोध-पत्र की प्रस्तुति

राष्ट्रीय संगोष्ठी से संबंधित विषय/उपविषय

हिन्दी विभाग, दौलतराम महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
4, पटेल मार्ग, मौरिस नगर, दिल्ली-110007.

Indian Council of Social Science Research

राष्ट्रीय-संगोष्ठी-सूचना

हिन्दी विभाग, दौलत राम महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) ICSSR (नयी दिल्ली) के सहयोग से 9-10 मार्च, 2016 को 'सामाजिक और आर्थिक विकास की अवधारणा : आदिवासी समाज' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है। इस संगोष्ठी का आयोजन संगोष्ठी कक्ष, दौलत राम महाविद्यालय में किया जाएगा। आप इस संगोष्ठी में भाग लेने के लिए सादर आमंत्रित हैं। संगोष्ठी में भाग लेने के लिए पंजीकरण 9 मार्च 2016 को आयोजन स्थल पर प्रातः 9 बजे से होगा। इस संगोष्ठी के लिए पंजीकरण शुल्क प्राध्यापकों के लिए 700, शोधार्थियों के लिए 500 और विद्यार्थियों के लिए 300 रुपए है।

शोध-आलेख प्रस्तोता से अपेक्षाएँ:

1. शोध-सार 300 शब्दों में यूनिकोड या मंगल में टंकित होने चाहिए।
2. शोध-सार 8 मार्च 2016 तक और शोध-आलेख 20 मार्च 2016 ई-मेल drc.hindi seminar@gmail.com आईडी पर भेजना अनिवार्य है।
3. शोध-आलेख को संगोष्ठी के पश्चात् ISBN No. युक्त पुस्तकाकार रूप में प्रकाशित करने की योजना है।
4. संगोष्ठी से संबंधित सभी महत्वपूर्ण सूचनाएँ समय-समय पर महाविद्यालय की वेबसाइट www.dr.du.ac.in पर जारी की जाएगी।

सादर धन्यवाद

संगोष्ठी संयोजक:

डॉ. अनीता मिंज (मो.9910735362)
डॉ. ज्योति शर्मा (मो.9871857959)

प्राचार्या

डॉ. सविता रॉय

राष्ट्रीय संगोष्ठी से संबंधित विषय/उपविषय

हिन्दी विभाग, दौलतराम महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय)

Indian Council of Social Science Research

इस संगोष्ठी में शोध-आलेख वाचन हेतु निम्नलिखित उप-विषय प्रस्तावित हैं-

1. आदिवासी आंदोलन : दशा और दिशा
2. आदिवासी आंदोलन की पृष्ठभूमि और परंपरा
3. आदिवासी आंदोलन : विस्थापन और पुनर्वास
4. सामाजिक, आर्थिक विकास की अवधारणा : आदिवासी समाज
5. भूमंडलीकृत समाज और आदिवासी अस्मिता
6. आदिवासी साहित्य में सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण
7. आदिवासी काव्य/कहानियों/उपन्यासों में सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण एवं स्त्री-चेतना
8. आदिवासी साहित्य (काव्य/कहानियों/उपन्यासों) में सामाजिक-आर्थिक संदर्भ एवं संघर्ष
9. आदिवासी लोक-कथाओं/लोकगीतों में सामाजिक सरोकार/आर्थिक स्थिति
10. मुख्यधारा के मीडिया में आदिवासी समाज
11. सिनेमा में चित्रित आदिवासी समाज
12. पत्रकारिता जगत में आदिवासी स्वर
13. सोशल मीडिया में आदिवासियों की उपस्थिति
14. आदिवासी अस्मिता : संघर्ष, चुनौतियाँ और संभावनाएँ
15. मुख्यधारा से सांस्कृतिक एवं भाषाई संघर्ष
16. सांस्कृतिक विलोपन का संकट
17. संघर्षरत आदिवासी समाज का भविष्य

नोटः आप इन विषयों के अलावा इससे सम्बंधित अन्य विषय पर भी अपना आलेख प्रस्तुत कर सकते हैं।

राष्ट्रीय-संगोष्ठी-सूचना

हिन्दी विभाग, दौलतराम महाविद्यालय

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

4, पटेल मार्ग, मौरिस नगर, दिल्ली-110007.

Indian Council of Social Science Research

हिन्दी विभाग, दौलत राम महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) ICSSR (नयी दिल्ली) के सहयोग से 9-10 मार्च, 2016 को 'सामाजिक और आर्थिक विकास की अवधारणा : आदिवासी समाज' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है। इस संगोष्ठी का आयोजन संगोष्ठी कक्ष, दौलत राम महाविद्यालय में किया जाएगा। आप इस संगोष्ठी में भाग लेने के लिए सादर आमंत्रित हैं। संगोष्ठी में भाग लेने के लिए पंजीकरण 9 मार्च 2016 को आयोजन स्थल पर प्रातः 9 बजे से होगा। इस संगोष्ठी के लिए पंजीकरण शुल्क प्राध्यापकों के लिए 700, शोधार्थियों के लिए 500 और विद्यार्थियों के लिए 300 रुपए है।

शोध-आलेख प्रस्तोता से अपेक्षाएँ:

1. शोध-सार 300 शब्दों में यूनिकोड या मंगल में टंकित होने चाहिए।
2. शोध-सार 8 मार्च 2016 तक और शोध-आलेख 20 मार्च 2016 ई-मेल drc.hindiseminar@gmail.com आईडी पर भेजना अनिवार्य है।
3. शोध-आलेख को संगोष्ठी के पश्चात् ISBN No. युक्त पुस्तकाकार रूप में प्रकाशित करने की योजना है।
4. संगोष्ठी से संबंधित सभी महत्वपूर्ण सूचनाएँ समय-समय पर महाविद्यालय की वेबसाइट www.dr.du.ac.in पर जारी की जाएगी।

सादर धन्यवाद

संगोष्ठी संयोजक:

डॉ. अनीता मिंज (मो.9910735362)

डॉ. ज्योति शर्मा, प्रभारी (मो.9871857959)

प्राचार्या

डॉ. सविता रॉय

राष्ट्रीय संगोष्ठी से संबंधित विषय/उपविषय

हिन्दी विभाग, दौलतराम महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय)

Indian Council of Social Science Research

इस संगोष्ठी में शोध-आलेख वाचन हेतु निम्नलिखित उप-विषय प्रस्तावित हैं-

1. आदिवासी आंदोलन : दशा और दिशा
2. आदिवासी आंदोलन की पृष्ठभूमि और परंपरा
3. आदिवासी आंदोलन : विस्थापन और पुनर्वास
4. सामाजिक, आर्थिक विकास की अवधारणा : आदिवासी समाज
5. भूमंडलीकृत समाज और आदिवासी अस्मिता
6. आदिवासी साहित्य में सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण
7. आदिवासी काव्य/कहानियों/उपन्यासों में सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण एवं स्त्री-चेतना
8. आदिवासी साहित्य (काव्य/कहानियों/उपन्यासों) में सामाजिक-आर्थिक संदर्भ एवं संघर्ष
9. आदिवासी लोक-कथाओं/लोकगीतों में सामाजिक सरोकार/आर्थिक स्थिति
10. मुख्यधारा के मीडिया में आदिवासी समाज
11. सिनेमा में चित्रित आदिवासी समाज
12. पत्रकारिता जगत में आदिवासी स्वर
13. सोशल मीडिया में आदिवासियों की उपस्थिति
14. आदिवासी अस्मिता : संघर्ष, चुनौतियाँ और संभावनाएँ
15. मुख्यधारा से सांस्कृतिक एवं भाषाई संघर्ष
16. सांस्कृतिक विलोपन का संकट
17. संघर्षरत आदिवासी समाज का भविष्य

नोटः आप इन विषयों के अलावा इससे सम्बंधित अन्य विषय पर भी अपना आलेख प्रस्तुत कर सकते हैं।